हिंदी दैनिक

न्यूज़ वायरस

वर्ष : 11 अंक : 185 देहरादून, बुधवार, 11 जनवरी, 2023 मूल्य : एक रुपया पृष्ठ : 08

ड्रोन के जरिए दून से उत्तरकाशी पहुंची वैक्सीन

6

30 प्रतिशत क्षैतिज आरक्षण विधेयक को राजभवन ने दी मंजूरी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, 10 जनवरी। उत्तराखंड में सरकारी नौकरियों में 30 प्रतिशत क्षैतिज आरक्षण विधेयक को राजभवन ने मंजूरी दे दी। विधिक परीक्षण के बाद राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (सेनि) ने यह निर्णय किया। विधेयक को आगे की कार्यवाही के लिए उत्तराखंड सरकार को भेज दिया गया है। राजभवन सूत्रों ने विधेयक की मंजूरी की पुष्टि की।

विधिवत गजट नोटिफिकेशन के बाद इस विधेयक के कानून बनते ही राज्य की सरकारी नौकरियों में राज्य की महिलाओं 30 प्रतिशत क्षैतिज आरक्षण का लाभ की स्थायी व्यवस्था लागू हो जाएगी। विधेयक पर राजभवन की मुहर लगने पर सरकार ने भी राहत की सांस ली। दरअसल, यह विधेयक महीने भर से ज्यादा वक्त से राजभवन के विचाराधीन था। 29 नवंबर को विधानसभा के शीतकालीन सत्र में सरकार ने यह विधेयक पेश किया था। जिसे 30 नवंबर को सर्वसम्मति से पारित करते हुए मंजूरी के लिए राजभवन भेजा गया था। भाषाई त्रुटि और तकनीकी शब्दावली को दुरूस्त करने के लिए बीच में राजभवन ने विधायी विभाग को इस विधेयक को लौटाया था।

वर्ष 2006 से राज्य की सरकारी नौकरियों में महिलाओं को 30 फीसदी क्षैतिज आरक्षण की व्यवस्था है। लेकिन बीते साल हाईकोर्ट ने आरक्षण पर रोक लगा दी। दरअसल, सम्मिलित राज्य सिविल एवं प्रवर अधीनस्थ सेवा की प्री परीक्षा में शामिल दूसरे प्रदेशों की महिला अभ्यर्थियों ने आरक्षण पर आपत्ति की थी।उनका कहना था कि इस प्रकार आरक्षण की व्यवस्था ठीक नहीं है। सरकार हाईकोर्ट के फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिका की थी। सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट के फैसले पर रोक लगाकर आरक्षण को फिलहाल बहाल कर दिया था। जनभावआओं को देखते हुए सीएम पुष्कर सिंह धामी ने महिला आरक्षण के स्थायी समाधान के लिए विधेयक बनाने का निर्णय किया था। नवंबर में हुए शीतकालीन सत्र में सरकार ने इस बिल को 29 नवंबर को सदन में पेश किया था। 30 नवंबर को इसे सर्वसम्मति से पारित कर दिया गया।

भूस्खलन से किसी प्रकार का जानमाल का नुकसान न हो : मुख्य सचिव

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, 10 जनवरी। मुख्य सचिव डॉ. एस.एस. संधु ने सचिवालय में जोशीमठ भू-धंसाव के सम्बन्ध में बैठक ली। मुख्य सचिव ने जिलाधिकारी चमोली से क्षेत्र की स्थिति की जानकारी ली। उन्होंने जिलाधिकारी चमोली को स्थिति पर लगातार नजर बनाए रखने के निर्देश दिए। कहा कि प्रभावित क्षेत्र को पूर्ण रूप से खाली करवाया जाए।

मुख्य सचिव ने कहा कि भूस्खलन से किसी प्रकार का जानमाल का नुकसान न हो इसके लिए सबसे पहले परिवारों को शिफ्ट किया जाए और उस बिल्डिंग को प्राथमिकता के आधार पर ध्वस्त किए जाए जो अधिक खतरनाक साबित हो सकती है। जिन स्थानों पर प्रभावित परिवारों को रखा गया है, उन स्थानों पर उनके रहने खाने की उचित व्यवस्था हो। साथ ही यह भी ध्यान रखा जाए कि प्रभावित नागरिकों एवं शासन प्रशासन के मध्य किसी प्रकार का कम्युनिकेशन गैप न हो। उच्चाधिकारी भी लगातार प्रभावित परिवारों के संपर्क रहें, और परिस्थितियों पर नजर बनाए रखें।मुख्य सचिव ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि भू-धंसाव के कारण मोबाइल नेटवर्क भी प्रभावित हो सकता है। मोबाइल टावर अन्यत्र सुरक्षित स्थान में शिफ्ट कर अथवा नए टावर लगा कर संचार व्यवस्था को मजबूत बनाया जाए। उन्होंने कहा कि स्थानीय लोगों को

साथ लेकर एक असेसमेंट कमिटी बनाई जाए। प्रतिदिन पूरे क्षेत्र में टीम भेज कर निरीक्षण करवाया जाए कि पिछले 24 घंटे में क्षेत्र में किस प्रकार का और कितना परिवर्तन हुआ हुआ है, जो भवन अधिक प्रभावित हैं उन्हें प्राथमिकता पर ध्वस्त किया जाए। मुख्य सचिव ने कहा कि जोशीमठ के स्थिर क्षेत्र के लिए ड्रेनेज और सीवेज प्लान पर भी काम शुरू किया जाए। भवनों को ध्वस्त करने में विशेषज्ञों का सहयोग लिया जाए ताकि ध्वस्तीकरण में कोई अन्य हानि न हो। साथ ही, कंट्रोल रूम को 24 घंटे एक्टिव मोड पर रखा जाए, और आमजन को किसी भी प्रकार की आपात स्थिति में संपर्क करने हेतु प्रचार प्रसार किया जाए। इस अवसर पर अपर मुख्य सचिव आनन्द बर्द्धन, वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जोशीमठ से सचिव आर. मीनाक्षी सुंदरम, सचिव नितेश कुमार झा, अरविंद सिंह ह्यांकी, डॉ. रंजीत सिन्हा एवं बृजेश कुमार संत सहित वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से आयुक्त गढ़वाल सुशील कुमार एवं जिलाधिकारी चमोली हिमांशु खुराना सहित अन्य उच्चाधिकारी उपस्थित थे।

सेहत की सलाह : डायबिटीज कंट्रोल करने के लिए खाइए मसूर की दाल

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 10 जनवरी , डायबिटीज एक ऐसी बीमारी है जिसे जड़ से खत्म नहीं किया जा सकता, इस बीमारी को सिर्फ कंट्रोल किया जा सकता है। डायबिटीज को कंट्रोल करने के लिए डाइट का विशेष ध्यान रखना जरूरी है। तनाव, खराब खान-पान और बिगड़ता लाइफस्टाइल इस बीमारी के पनपने की मुख्य वजह है। डायबिटीज के मरीजों के लिए ब्लड शुगर को कंट्रोल करना बेहद जरूरी है। अगर ब्लड शुगर को कंट्रोल नहीं किया जाए तो बॉडी में कई घातक बीमारियों का खतरा बढ़ने लगता है।डायबिटीज एक ऐसी क्रॉनिक बीमारी है जिसे जिंदगी भर कंट्रोल में रखना जरूरी है। नेशनल लाइब्रेरी ऑफ़ मेडिसिन (National Library of Medicine) द्वारा किये गए एक अध्ययन के अनुसार डायबिटीज के मरीजों में महिलाओं (1.4%) की तुलना में पुरुषों (2.3%) की संख्या ज्यादा है। WHO की एक रिपोर्ट के मुताबिक दुनियाभर में साल 2025 तक डायबिटीज के मरीजों की संख्या में 170 फीसदी तक बढ़ोतरी हो जाएगी।Tips डायबिटीज के मरीज ब्लड शुगर को कंट्रोल करने के लिए अपनी सुबह से लेकर रात तक की डाइट का ध्यान रखें। दालें हमारे खाने का अहम हिस्सा हैं जिनका सेवन हम सभी मील में करते हैं। दालें प्रोटीन का बेहतरीन स्रोत हैं और पोषक तत्वों से भरपूर होती है। लेकिन डायबिटीज के मरीजों के लिए सभी तरह की दालों का सेवन करना उपयुक्त नहीं है।

दालों में कुछ खास दालों का सेवन डायबिटीज को कंट्रोल कर सकता है। जनरल फिजिशियन ने बताया है कि डायबिटीज के मरीज मसूर की दाल का सेवन कर सकते हैं। मसूर की दाल सेहत के लिए बेहद उपयोगी है और ब्लड शुगर भी कंट्रोल करती है। आइए एक्सपर्ट से जानते हैं कि मसूर की दाल कैसे को कंट्रोल करती है।

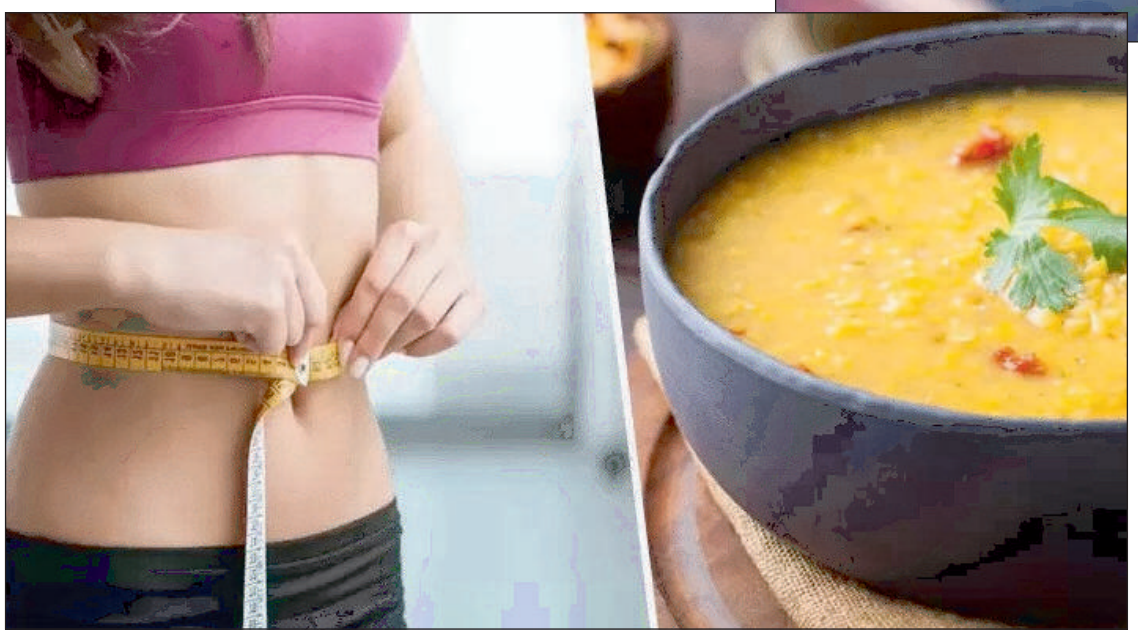

मसूर दाल कैसे ब्लड शुगर कंट्रोल करती है:

डायबिटीज के मरीज मसूर की दाल का सेवन कर सकते हैं ब्लड शुगर कंट्रोल रहेगी। मसूर की दाल का ग्लाइसेमिक इंडेक्स 25 होता है जो बेहद कम है। मसूर की दाल प्रोटीन और फाइबर का बेहतरीन स्रोत है जो बॉडी को हेल्दी रखता है। एंटीऑक्सीडेंट गुणों से भरपूर मसूर की दाल की तासीर गर्म होती है जो सर्दी में बॉडी को गर्म रखती है। इस दाल का सेवन करने से पर्याप्त इंसुलिन का उत्पादन होता है। ये दाल पैंक्रियाज की कोशिकाओं को नुकसान पहुंचाने से बचाती है और ब्लड शुगर को कंट्रोल करती है।

मसूर की दाल के सेहत के लिए फायदे

मसूर की दाल प्रोटीन का अच्छा स्रोत है जो मांसपेशियों और हड्डियों को मजबूत बनाती है। डायबिटीज के मरीजों के लिए इस दाल का सेवन बेहद फायदेमंद है। फाइबर से भरपूर ये दाल शुगर के मरीजों का पाचन दुरुस्त रखती है। शुगर के मरीजों को अक्सर पाचन संबंधी परेशानी होती है इसलिए इस दाल का सेवन पाचन को दुरुस्त करता है। लो फैट इस दाल का सेवन वजन को कंट्रोल करता है। अगर डायबिटीज में वजन कंट्रोल रहता है तो इस बीमारी का जोखिम कम होता है। इस दाल का सेवन सुबह के नाश्ते से लेकर दोपहर और रात के खाने में भी कर सकते हैं।

महिलाओं में कोलेस्ट्रॉल का स्तर कितना होता है? देखिए चार्ट

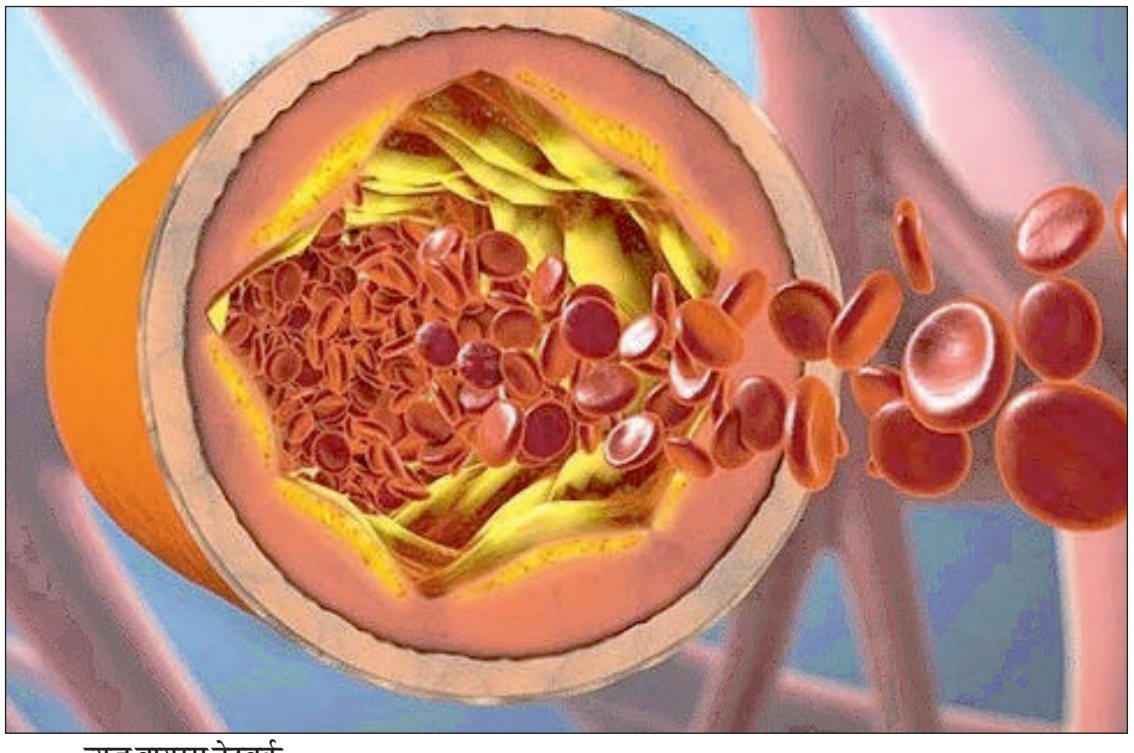

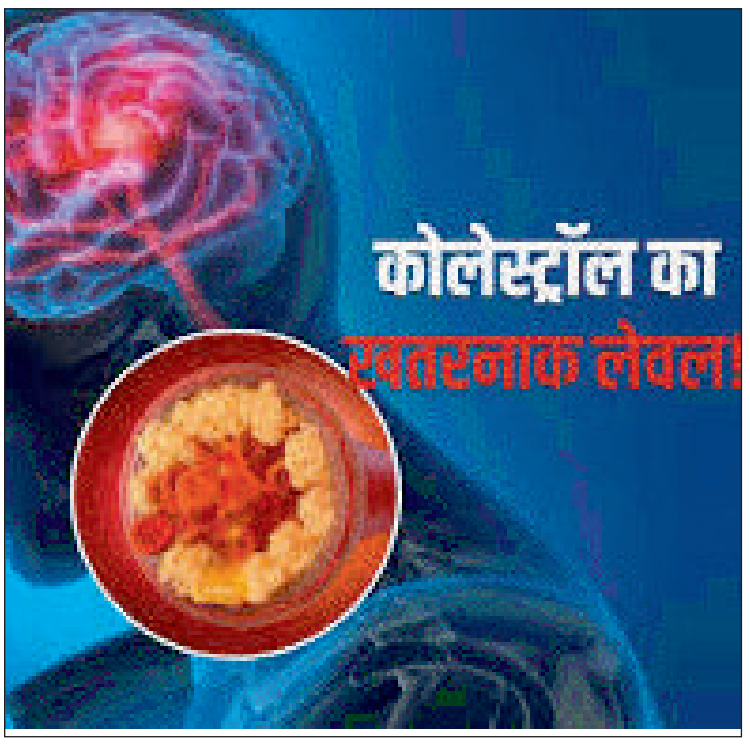

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 10 जनवरी , कोलेस्ट्रॉल हार्ट की बीमारी का सबसे बड़ा कारण है। कोलेस्ट्रॉल किन फूड्स का सेवन करने से बढ़ता है ये बड़ा सवाल है। सभी तरह के एनिमल फूड्स का सेवन अत्याधिक करने से कोलेस्ट्रॉल का स्तर बढ़ने लगता है। एनिमल फूड्स में भी मीट (Meat) में सबसे ज्यादा कोलेस्ट्रॉल होता है तो चिकन में कुछ कम और मछली में उससे कम कोलेस्ट्रॉल होता है।कोलेस्ट्रॉल शरीर में पाए जाने वाली वसा है जो कई हार्मोन को बनाती है। कोलेस्ट्रॉल शरीर में कैल्शियम का अवशोषण करता है। ये शरीर में टेस्टोस्टेरोन, एस्ट्रोजेन हार्मोन सहित कई हार्मोन को बनाता है। कोलेस्ट्रॉल हमारे मेटाबॉलिज्म को भी बूस्ट करता है। कोलेस्ट्रॉल लिवर और आंत को सुचारु रूप से चलाने के लिए रसायनों का उत्पादन करता है।सेहत के लिए बेहद उपयोगी है कोलेस्ट्रॉल लेकिन फिर भी इसे बॉडी के लिए विलेन माना जाता है। कोलेस्ट्रॉल दो तरह का होता है एक खराब कोलेस्ट्रॉल और दूसरा गुड कोलेस्ट्रॉल। खराब कोलेस्ट्रॉल बढ़ने से बॉडी में दिल के रोगों सहित कई बीमारियों का खतरा बढ़ने लगता है।एक हेल्दी इंसान का कोलेस्ट्रॉल लेवल 100 से लेकर 129 mg/dL है तो ये ठीक है। टेस्ट में कोलेस्ट्रॉल लेवल 130 से 159 mg/dL हो जाता है तो इसे हाई और बॉर्डरलाइन कोलेस्ट्रॉल माना जाता है। जिन लोगों का कोलेस्ट्रॉल लेवल 160 से 189 mg/dLहै तो ये हाई और कोलेस्ट्रॉल का खतरनाक स्तर माना जाता है। पुरुषों और महिलाओं में कोलेस्ट्रॉल लेवल थोड़ा अलग होता है।

मेडिकल रिपोर्ट के अनुसार, उम्र के साथ कोलेस्ट्रॉल का स्तर बदलने लगता है। महिलाओं और पुरुषों में (in women and men) ये स्तर कुछ अलग होता है। एम्स के पूर्व कंसल्टेंट और साओल हार्ट सेंटर के फाउंडर एंड डायरेक्टर डॉ बिमल झांजेर के मुताबिक डाइट पर कंट्रोल करके और कुछ फूड्स से परहेज करके आप आसानी से कोलेस्ट्रॉल को कंट्रोल कर सकते हैं। एक्सपर्ट के मुताबिक कुछ खास फूड्स का सेवन करके 9 से 15 फीसदी तक कोलेस्ट्रॉल को कंट्रोल किया जा सकता है। आइए chart से जानते हैं कि महिलाओं में कोलेस्ट्रोल का स्तर कितना होना चाहिए?

19 वर्ष और उससे कम उम्र के बच्चों मे

कुल कोलेस्ट्रॉल 170 mg/dL से कम और एलडीएल 100 mg/dL से कम

20 से ज्यादा उम्र की महिलाओं में

कोलेस्ट्रॉल 125 से 200 mg/dL के बीच होना चाहिए

उनका HDL 100 mg/dL से कम और HDL 50 mg/dL से ज्यादा होना चाहिए

मुख्यमंत्री ने किया प्रदेश में मिशन अंत्योदय सर्वे का शुभारंभ

ग्रामीण उत्तराखण्ड उद्यमिता समिट 2023 "गुल्लक" में चर्चा

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, 10 जनवरी। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने उत्तराखंड उद्यमिता समिट के आयोजन को राज्य में ग्रामीण क्षेत्रों के उद्यमियों के लिए लाभदायक बताते हुए कहा कि इससे ग्रामीण क्षेत्रों के व्यवसायियों को विभिन्न क्षेत्रों में सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं के बारे में जानकारी मिल सकेगी। ग्रामीण उद्यमियों हेतु आयोजित "गुल्लक" नामक यह कार्यक्रम, देशभर में अपनी तरह का पहला कार्यक्रम है जिसमें निवेशक ग्रामीण उद्यमियों के साथ सीधे संवाद कर उनके उद्यमों में निवेश कर सकेंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में उद्यमिता विकास को गति प्रदान करने के लिए हमारी सरकार द्वारा विगत वर्ष "रूरल बिजनेस इनक्यूबेटर्स" की स्थापना जनपद अल्मोड़ा के हवालबाग में और जनपद पौड़ी के कोटद्वार में की गई। वर्तमान में इन "रूरल बिजनेस इनक्यूबेटर्स" के माध्यम से ग्रामीण उद्यमियों को विभिन्न प्रकार की सेवाएं प्रदान की जा रही हैं। इनक्यूबेटर्स के अच्छे परिणामों को देखते हुए इस योजना को हब एवं स्पॉक मॉडल के अंर्तगत राज्य के अन्य 11 जनपदों में क्रियाशील किए जाने हेतु "रूरल बिजनेस इन्क्यूबेटर" के स्पॉक स्थापित किए जाएंगे। इन इनक्यूबेटर्स के माध्यम से हमारे उद्यमियों को नए अवसर प्राप्त हो सकेंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कर्मशील नेतृत्व में देश निरंतर प्रगति कर रहा है, उद्योग जगत भी इससे अछूता नहीं है। हमारी यह पहल प्रधानमंत्री के वोकल फॉर लोकल की अवधारणा को मजबूती प्रदान करेगा तथा इससे विकास के नये रास्ते तय होंगे तथा आत्मनिर्भर भारत की दिशा में भी यह निर्णायक पहल होगी। उन्होंने कहा कि पिछली बार जब वे हवाल बाग में निवेशकों से मिले थे उस समय की निवेश की यह धनराशि आज 07 करोड़ से 20 करोड़ हो गयी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में उद्यमिता के क्षेत्र में कार्य करने वालों का जज्बा उन्होंने देखा है उनका आत्म विश्वास अन्य युवाओं के लिये भी प्रेरणा का कार्य करेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री के कुशल नेतृत्व में देश का मान व सम्मान बढ़ा है। इसका प्रतिफल है कि जी 20 देशों की अध्यक्षता भारत को मिली है। इसकी दो महत्वपूर्ण बैठकें उत्तराखण्ड में भी होनी हैं यह हमारे लिये भी सम्मान की बात है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी के कुशल मार्ग दर्शन में देश ने कोरोना महामारी का सफलता से सामना ही नहीं किया इसकी तीन वैक्सीन तैयार कर देश के नागरिकों को निःशुल्क उपलब्ध करायी तथा कई देशों को भी वैक्सीन उपलब्ध करायी, यही नहीं कोरोना काल से अब तक देश के 80 करोड़ लोगों को निशुल्क खाद्यान्न उपलब्ध कराया जा रहा है। देश में 40 प्रतिशत डिजिटल ट्रांजेक्शन लोकल फॉल ग्लोबल की दिशा में देश के बढ़ते कदम हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हम सबका यह प्रयास होना चाहिए कि जो जिस क्षेत्र में कार्य कर रहा है उसे बेहतर ढंग से करे तथा अपने अनुभवों को साझा करें। समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचे यह हमारा दायित्व होना चाहिए। ग्रामीण उद्यमिता के विकास से हमारे युवा स्वरोजगार से जुड़ेंगे तथा नौकरी पाने के बजाय नौकरी देने वाले बनेंगे। ग्रामीण उद्यमियों के उत्पादों के विपणन की बेहतर व्यवस्था पर हमारा ध्यान है। आज देश में आयात को निर्यात में बदलने की प्रक्रिया की शुरुआत हो रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार राज्य के ग्रामीण क्षेत्रों में पलायन की समस्या से निजात पाने के लिए विशेष रूप से कार्य कर रही है। राज्य के नागरिकों को अपने स्थान पर रहकर ही स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराने हेतु सरकार द्वारा राज्य के सुदूर क्षेत्रों में विभिन्न प्रकार की केंद्र पोषित, राज्य पोषित और वाह्य सहायतित स्वरोजगार परक योजनाओं का संचालन किया जा रहा है। ग्रामीण क्षेत्रों में होने वाले व्यवसाय में महिलाओं की सहभागिता अधिक रहती है, इसको ध्यान में रखते हुए हमारी सरकार स्वरोजगार के क्षेत्र में महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए विशेष रूप से प्रयास कर रही है। हमने 1.25 लाख बहनों को लखपति दीदी बनाने की योजना बनाई है, उन्हें भी उद्यमिता से जोड़ने के प्रयास किये जा रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज से भारत सरकार के निर्देशन में आगामी एक माह तक "मिशन अंत्योदय सर्वे" मोबाइल ऐप के माध्यम से किया जाना सुनिश्चित हुआ है। इस सर्वे में सामुदायिक काडर की महिलाओं द्वारा आर्थिक विकास, गांवों की आधारभूत संरचना, सेवाओं और सामाजिक न्याय से संबंधित विषयों पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि यह सर्वे गुणवत्तापूर्ण रूप से संपन्न होने के साथ राज्य के सर्वांगीण विकास में इस सर्वे का लाभ प्राप्त हो सकेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार राज्य के चहुंमुखी विकास हेतु प्रधानमंत्री जी की मंशा के अनुरूप वर्ष 2025 तक उत्तराखण्ड को देश का सर्वश्रेष्ठ राज्य बनाने के अपने "विकल्प रहित संकल्प" को ध्यान में रखकर निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने उत्तराखण्ड के विभिन्न क्षेत्रों से आए सभी युवा उद्यमियों का आह्वान किया कि राज्य सरकार के संकल्प को पूर्ण करने में वे भी सहयोगी बनें। इस अवसर पर ग्राम्य विकास मंत्री गणेश जोशी ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा एक अभिनव पहल करते हुये राज्य में रूरल बिजनेस इन्क्यूबेटर्स योजना प्रारम्भ की गयी, जिसमें दो इन्क्यूबेटर्स कमशः जनपद अल्मोड़ा व पौड़ी में स्थापित किये गये। इन इन्क्यूबेटरों के माध्यम से ग्रामीण उद्यमियों को उनके नये उद्यम स्थापना तथा स्थापित उद्यमों के विस्तारीकरण हेतु विभिन्न प्रकार के तकनीकी सहायता, मेन्टरशिप सहयोग, विधिक सहयोग, विपणन सहयोग आदि प्रदान किया जा रहा है। जहाँ पर दक्ष मानव संसाधन ग्रामीण उद्यमिता को बढ़ावा देने हेतु भावी ग्रामीण उद्यमियों को तैयार करने में मदद कर रहा है। गत एक वर्ष में लगभग 500 से अधिक इन्क्यूबेटीज़ द्वारा इन्क्यूबेटर्स के माध्यम से लाभ प्राप्त कर अपने उद्यमों की स्थापना अथवा उद्यम विस्तार में सहायता प्राप्त की गयी है।

उन्होंने कहा कि "गुल्लक कार्यक्रम" राज्य के ग्रामीण क्षेत्रों में उद्यमिता को विकसित करने के लिये सरकार की एक अनूठी पहल है। ग्रामीण उद्यमियों हेतु अयोजित किये जाने वाला यह कार्यक्रम, देशभर में पहला प्रयास है, जहाँ ग्रामीण उद्यमी अपने व्यवसाय को आगे बढ़ाने के उद्देश्य से अपने आइडिया/बिज़नेस निवेशकों के सम्मुख प्रस्तुत कर रहे हैं। इस मंच से उद्यमियों को अपने व्यवसाय का विस्तार करने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि ग्राम्य विकास विभाग द्वारा मिशन अन्त्योदय सर्वे का शुभारम्भ भी किया जा रहा है, भारत सरकार के निर्देशानुसार एक माह के अन्दर उक्त सर्वे कार्य पूर्ण किया जायेगा जिसमें गाँवों में उपलब्ध आधारभूत संरचना, सेवाओं, आर्थिक विकास एवं सामाजिक न्याय से सम्बन्धित विषयों पर सूचना का एकत्रीकरण किया जायेगा। इस अवसर पर पूर्व सांसद तरुण विजय, सचिव बी.वी.आर.सी पुरूषोत्तम, आयुक्त ग्राम्य विकास आनन्द स्वरूप, अपर सचिव ग्राम्य विकास नितिका खंडेलवाल सहित अन्य अधिकारी उद्यमी तथा निवेशक उपस्थित थे।

चीनी मिलों के आधुनिकीकरण की ज़रूरत : सौरभ बहुगुणा

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, 10 जनवरी। गन्ना विकास मंत्री सौरभ बहुगुणा ने कहा चीनी मिलों के आधुनिकीकरण की ओर ध्यान दिए जाने की आवश्यकता है। गन्ना विकास कार्ययोजना के तहत अधिक परते वाली गन्ने की प्रजाति पर अधिक ध्यान दिया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि गन्ना किसानों को समय पर भुगतान हो, इसके लिए अभी से तैयारी शुरू करनी होगी। उन्होंने कहा कि 2022-23 हेतु पेराई सत्र नवम्बर 2022 से शुरू हो चुका है। मिलों में पिछले वर्ष की तुलना में इस वर्ष पेराई क्षमता, चीनी परता एवं चीनी उत्पादन में वृद्धि हुई है। प्रदेश में 2021-22 के सहकारी, सार्वजनिक एवं निजी क्षेत्र की सभी मिलों का गन्ना भुगतान पूर्ण किया जा चुका है।

इसके पहले मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने गन्ना विभाग की समीक्षा करते हुए कहा कि चीनी मिलों की आय बढ़ाने की दिशा में प्रयास किये जाएं। गन्ना किसानों का भुगतान समय पर हो जाए, यह भी सुनिश्चित किया जाए। जो चीनी मिलें लगातार घाटे में चल रही हैं, इनके कारणों का विश्लेषण किया जाए। गन्ने की हाई वैराइटी के उत्पादन पर अधिक फोकस किया जाए। चीनी मिलें अपनी आय के संसाधन बढ़ाने एवं आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ने का प्रयास करें।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि चीनी मिलों के आधुनिकीकरण की दिशा में ध्यान दिये जाने की आवश्यकता है। प्राथमिकता के आधार पर ब्वायलर एवं टरबाईन परिवर्तन के लिए चरणबद्ध तरीके से प्रस्ताव दिये जाएं। चीनी मिलों की आर्थिकी में सुधार लाने के लिए मोलासिस आधारित इथेनॉल प्लांट की दिशा में भी ध्यान दिये जाने की आवश्यकता है। बैठक में अपर मुख्य सचिव राधा रतूड़ी, आनन्द बर्द्धन सचिव विजय कुमार यादव, एस.एन पाण्डेय, अपर सचिव उदयराज, अरूणेन्द्र चौहान एवं सबंधित विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

वक्फ बोर्ड के चेयरमैन शादाब शम्स ने जोशीमठ की सलामती के लिए पिरान कलियर दरगाह में दुआ मांगी

दुआ में भारी संख्या मुस्लिम समुदाय जुटा

मो.सलीम सैफी
न्यूज़ वायरस नेटवर्क

रुड़की,10 जनवरी। उत्तराखंड वक्फ बोर्ड के युवा अध्यक्ष शादाब शम्स ने मुस्लिम धर्मगुरुओं एवं सैकड़ों अकीदत मंदों के साथ बाबा साबिर पाक की दरगाह पर चादर पेश करते हुए जोशीमठ के लिए दुआ की ।उन्होंने कहा जब दवा काम करना बंद कर देती हैं तो दुआ काम आती हैं उत्तराखंड के जोशीमठ में इस समय एक भौगोलिक एवं प्राकृतिक घटना घट रही हैं लोगों के मकान टूट रहे हैं, जमीन खिसक रही है ,आशियाने उजड़ रहे हैं आज पूरा प्रदेश और देश उनके लिए दुआ कर रहा प्रार्थना कर रहा है जिसका अध्यन वैज्ञानिक कर रहे हैं, सरकारें अपना काम कर रही है लेकिन जहां विज्ञान की सीमाएं समाप्त हो जाती है वहां कुदरत के करिश्में काम आते हैं और हमारा मानना है दरकता, धूबता हुआ जोशीमठ ईश्वर चाहे तो रुक सकता है कुदरत हर चीज कर काबिज है और हमारा मानना ईश्वर की मर्जी के बगैर एक पत्ता भी नही हिल सकता और इस लिए हमने साबिर पाक के दरबार में पेश हो कर मन्नत मांगी है कि ए उपर वाले हमारे जोशीमठ को बचा ले, साथ में हज कमेटी उत्तराखंड के अध्यक्ष

खतीब मलिक जी व मुस्लिम धर्म गुरु मौजूद रहे और मौलाना जाहिद रजा रिजवी जी द्वारा जोशीमठ के लिए विशेष दुआ कराई गई

इस अवसर पर जिला अध्यक्ष बहरोज आलम, शायर अफजल मंगलोरी गुलफाम शैख खालिद मंसूरी राहुल अहमद जमील अहमदरहीस अहमद भी उपस्थित रहे।

1951 के बाद पहली बार जनवरी में इतनी पड़ रही कड़ाके की ठंड

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 10 जनवरी देश की राजधानी दिल्ली (Delhi) सहित पूरा उत्तर भारत (North India) कड़ाके की ठंड से जूझ रहा है। रविवार और सोमवार को पूरे दिन उत्तर भारत कोहरे (Fog) की चादर में लिपटा रहा। घने कोहरे की वजह से यातायात प्रभावित है रेलगाड़ियां लेट हैं या रद्द कर दीं गईं हैं वहीं खराब विजुअलटी के चलते कई फ्लाइट कैंसिल कर दी गई हैं। दिल्ली सहित उत्तर भारत के कई इलाकों में पारा 1.9 डिग्री सेल्सियस तक जा पहुंचा है। मौसम विभाग (IMD) के मुताबिक ये लगातार चौथा ऐसा दिन है जब राजधानी दिल्ली में

हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड के अधिकतर जगहों से कम तापमान रहा।

1951 के बाद अब तक की सबसे ठंडी January

जनवरी का महीना चल रहा है और ठंड अपने चरम पर है। इस बार जनवरी ने ठंड का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। इसके पहले साल 2003 में जनवरी का औसत तापमान 18 डिग्री सेल्सियस तक जबकि उस साल का एवरेज तापमान 17.6 डिग्री सेल्सियस था। इस साल की जनवरी साल 1951 से लेकर अब तक की सबसे ठंड मौसम वाली जनवरी है। साल 2015 में भी जनवरी का अधिकतम औसत तापमान 18 डिग्री रहा था।

दिल्ली में हिमाचल और उत्तराखंड से कम रहा तापमानः IMD : इस साल पड़ने वाली ठंड का पैटर्न अन्य सालों की तुलना में कुछ अलग दिखाई दिया। आईएमडी ने बताया कि राजधानी दिल्ली और आस-पास के इलाकों में यह लगातार चौथा ऐसा दिन रहा है जब वहां का तापमान हिमाचल और उत्तराखंड के कुछ इलाकों से भी कम रहा है, जबकि अभी तक इस तरह की ठंड नहीं देखी गई कि पहाड़ी और बर्फीले इलाकों से भी ज्यादा ठंड दिल्ली और उत्तर भारत में पड़ी हो। हिमाचल के चंबा में 8.2 डिग्री, डलहौजी में 8.2 डिग्री, धर्मशाला में 6.2 डिग्री, शिमला में 9.5 डिग्री तो वहीं उत्तराखंड की राजधानी देहरादून में 6 डिग्री, मसूरी में 9.6 डिग्री, नैनीताल में 6.2 डिग्री, टिहरी में 7.6 डिग्री, मनाली में 4.4 डिग्री, कांगड़ा में 7.1 डिग्री और सोलन में3.6 डिग्री सहित हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड के अधिकतर जगहों से कम रहा।

Drone का भी बीमा कराना है जरूरी? कौन-सी चीजें होती हैं कवर

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 10 जनवरी , आज कल Drone काफी चलन में है हर जगह आपको आसानी से ड्रोन का इस्तेमाल करते लोग दिख जायेंगे , फिर चाहे वह कोई शादी हो या किसी को प्री वेडिंग शूट करना हो ,मीडिया, मनोरंजन, कृषि, सर्वेक्षण और मानचित्र, निरीक्षण तथा निगरानी जैसे सेक्टर्स में ड्रोन (Drone) का खूब इस्तेमाल किया जा रहा है। हाल के दिनों में ड्रोन के इस्तेमाल में काफी इजाफा हुआ है लेकिन इससे जुड़े कई हादसे भी सामने आए हैं।

हम यह तो जानते हैं कि अपनी गाड़ियों का बीमा कराना जरूरी होता है, ताकि किसी दुर्घटना की स्थिति में होने वाले नुकसान से बचा जा सके, लेकिन ड्रोन के केस में भी क्या यह जरूरी है? इसलिए आज हम आपको बताएंगे कि ड्रोन से जुड़े भारत में बीमा के नियम क्या हैं और इसमें क्या कुछ कवर होता है। अगर ड्रोन का इस्तेमाल किसी जरूरी सामान को लाने या ले जाने के लिए किया जा रहा हो, तब इसकी जिम्मेदारी कौन लेगा? क्या बीमा कंपनी ड्रोन का भी इंश्योरेंस करती है और अगर हां, तो किस स्तर तक नुकसान को कवर किया जाता है? आज हम इन्हीं से जुड़े सवालों को जवाब दे रहे हैं।ड्रोन रूल्स, 2021 के अनुसार, 250 ग्राम से बड़े सभी ड्रोन के लिए अनिवार्य रूप से थर्ड पार्टी बीमा होना आवश्यक है। 1988 के मोटर वाहन

अधिनियम के प्रावधान, ड्रोन के थर्ड पार्टी बीमा और जीवन या संपत्ति के नुकसान के मामले में लागू होते हैं। थर्ड पार्टी बीमा कवर ड्रोन उड़ाते समय संपत्ति के क्षतिग्रस्त होने या लोगों के घायल होने की स्थिति में लाइबिलिटी से बचाता है।LIC से जुड़े बीमा सलाहकार रंजन जगदाले के अनुसार, कुछ कंपनियां ड्रोन बीमा के तहत किसानों को फसल बीमा कवरेज का लाभ भी देती है। यह इकट्ठा किए गए डाटा से लाभ उठाने में मदद कर सकता है और नुकसान के मामले में फसल बीमा के लिए दावा दायर करने में सहायता कर सकता है।ये संस्थान देते हैं बीमा कवरेज - भारत में ड्रोन बीमा बाजार अभी भी अपनी प्रारंभिक अवस्था में है। हालांकि, कुछ संस्थान इसके लिए कवरेज देते हैं। एचडीएफसी एर्गो, आईसीआईसीआई लोम्बार्ड, बजाज आलियांज और टाटा एआईजी और न्यू इंडिया एश्योरेंस ड्रोन पर बीमा कवरेज की सुविधा उपलब्ध कराते हैं।

अब ऑनलाइन मंगाए जैविक फल सब्जियां, ऑर्गेनिक मार्केट शुरू

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, 10 जनवरी। प्रदेश के कृषि एवं उद्यान मंत्री गणेश जोशी ने देहरादून गांधी पार्क के सामने स्थित पीएमएफ़एमई स्टोर में प्रदेश के स्थानीय किसानों द्वारा उत्पादित जैविक फल सब्जियों हेतु ऑर्गेनिक मार्केट का शुभारंभ किया। यह ऑर्गेनिक उत्पाद का मार्केट सुबह 7 बजे से 10 बजे तक खुलेगा। इस अवसर पर मंत्री जोशी ने आर्गेनिक मार्केट से सब्जियों की खरीदारी भी की। मंत्री जोशी ने कहा इस स्टोर के खुल जाने से शहरवासी अब घर बैठे ऑनलाइन माध्यम से ऑर्गेनिक फल सब्जियां और उत्तराखंड के ऑर्गेनिक उत्पाद लोगों के घर में पहुंचेंगी।

मंत्री जोशी ने कहा आज लोग ऑर्गेनिक की ओर जा रहे है।मंत्री ने उद्यान विभाग के अधिकारियों को इस पहल के लिए बधाई दी। मंत्री ने कहा प्रदेश सरकार एक संकल्प के साथ कार्य कर रही है वर्ष 2025 तक जब राज्य 25 वर्ष का होगा तो किसानों की आय के साथ-साथ हम अपने उत्पाद को दोगुना करेंगे। मंत्री जोशी ने कहा कि प्रदेश के स्थानीय उत्पादों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने के लिए सरकार निरंतर प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा शीघ्र ही देहरादून में एग्री मॉल बनने जा रहा है जिसके लिए अधिकारियों को कार्य योजना बनाने के निर्देश दिए गए हैं। मंत्री जोशी ने कहा निश्चित ही यह पहल कारगर सिद्ध होगा। इस अवसर पर उद्यान निदेशक एचएस बवेजा, मुख्य उद्यान अधिकारी मीनाक्षी जोशी, मंडल अध्यक्ष पूनम नौटियाल सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

आयुष्मान योजना ने 6.47 लाख से अधिक मरीजों का किया मुफ्त उपचार

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, 10 जनवरी। राज्य स्वास्थ्य प्राधिकरणः प्रदेश में आयुष्मान योजना के तहत अभी तक 6.47 लाख से अधिक मरीजों ने निशुल्क उपचार कराया है। इस पर सरकार की 1159 करोड़ से अधिक की धनराशि खर्च की जा चुकी है। यह भारी भरकम आंकड़े सीधे तौर पर इस बात की तस्दीक करते हैं कि प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री डा धन सिंह रावत की ओर से समय समय पर जारी निर्देशों के साथ ही व्यवस्थाओं की नियमित मॉनिटरिंग से जन जागरूकता के साथ ही हर व्यक्ति तक योजना का लाभ पहुंच रहा है।

राज्य स्वास्थ्य प्राधिकरण द्वारा संचालित हो रही आयुष्मान योजना सही मायनों को जनकल्याण के अपने मकसद पर खरा उतर रही है। पूर्व में जो लोग उपचार खर्च के कारण अपना इलाज नहीं करा पाते थे और अपने जीवन को और अधिक जोखिम में डालने को विवश थे, आज आयुष्मान योजना ने उनकी उस लाचारी और बेबसी को पूरी तरह से दूर कर दिया है। आयुष्मान योजना के कार्ड धारक को पांच लाख रुपये तक प्रति वर्ष परिवार निशुल्क उपचार सुविधा की व्यवस्था है। अब आर्थिक रूप से कमजोर लाभार्थी व्यक्ति भी पूरे हक और आत्मविश्वास से योजना के सूचीबद्ध अस्पतालों में निशुल्क उपचार करा रहा है। वहीं राजकीय कार्मिकों व पेंशनर को राज्य सरकार स्वास्थ्य योजना के अंतर्गत कैशलेस असीमित उपचार की खर्च का प्रावधान है।

योजना के संचालन से अभी तक 6.47 लाख लाभार्थी मरीजों ने योजना के तहत निशुल्क उपचार कराया है। प्रदेश भर में वर्तमान तक 49.44 आयुष्मान कार्ड बनाए जा चुके हैं। आमजन तक योजना का लाभ पहुंचाने के लिए राज्य स्वास्थ्य प्राधिकरण की ओर से दिशा निर्देशों के अनुरूप प्रयास किए जा रहे हैं। जिसका परिणाम यह है कि योजना जन अपेक्षाओं पर खरा साबित हो रही है।

योजना के लाभार्थी मरीजों का जनपदवार

विवरण जिला	उपचारित मरीज
अल्मोड़ा	636
बागेश्वर	6,622
चमोली	20,974
चंपावत	8,237
देहरादून	1,88,967
हरिद्धार	1,12,261
नैनीताल	55,866
पौड़ी	54,666
पिथौरागढ़	17,510
रूद्रप्रयाग	12,119
टिहरी	39,347
उधमसिंहनगर	95,367
उत्तरकाशी	21,137

आयुष्मान की प्रगति

प्रदेश में अब तक बने आयुष्मान कार्ड- 49.44 लाख से अधिकउपचारित मरीजों की संख्या- 6.47 लाख से अधिकनिशुल्क उपचार पर हुआ व्यय- 1159 करोड़ से अधिक

वहीँ स्वास्थ्य मंत्री डा धन सिंह रावत, ने कहा है कि अस्वस्थता से निजात के लिए आयुष्मान योजना लाखों लोगों के लिए संजीवनी साबित हुई है। प्रदेश के आखिरी छोर पर खड़े व्यक्ति को भी योजना के लाभ की जानकारी हो इसके लिए सख्त निर्देश दिए गए हैं, साथ ही योजना संचालन और प्रगति की भी नियमित मॉनिटरिंग की जाती है। अब प्रदेश में ही आयुष्मान योजना के अंतर्गत निशुल्क किडनी प्रत्यारोपण तक की सुविधा भी सुचारू हो गई है। जन स्वास्थ्य के प्रति हमारी सरकार प्रतिबद्ध है। कहीं किसी मरीज को कोई परेशानी नहीं होनी चाहिए इसके लिए भी निर्देशित किया गया है।

Health Tips : इन 5 फूड्स को बनाएं डाइट का हिस्सा और सर्दी में भी रहे चुस्त

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 10 जनवरी , सर्दियों में अक्सर लोगों का मेटाबॉलिज्म कमजोर हो जाता है, जिससे लोग जल्दी थक जाते हैं।इसी वजह से सर्दियों में अक्सर लोग सुस्त हो जाते है लेकिन, डाइट में बदलाव कर आप सर्दियों में भी मेटाबॉलिज्म बढ़ा सकते हैं। आइए जानते हैं, उन फूड्स के बारे में जिनके सेवन से मेटाबॉलिज्म फास्ट हो सकता है। और आप अपने शरीर में चुस्ती और फुर्तीले पन को महसूस करेंगे

1.टोमैटो सूप

यु तो हम आम तौर पर टमाटर का सेवन सब्ज़ी में करते ही है लेकिन टमाटर का सूप आप डेली डाइट में शामिल कर सकते हैं। यह सूप स्वादिष्ट होने के साथ सेहत के लिए काफी लाभदायक होता है। इसमें विटामिन-सी, विटामिन-के, कैल्शियम और कई पोषक तत्व पाए जाते हैं। यह एंटी ऑक्सीडेंट गुणों से भरपूर होता है, जिसके सेवन आप कई बीमारियों से बच सकते हैं। यह एक मेटाबॉलिज्म बूस्टर है। सर्दियों की डाइट में आप टमाटर का सूप शामिल कर सकते हैं।

2.शकरकंद खाएं

शकरकंद को स्वीट पोटैटो के नाम से भी जाना जाता है। इसमें कई पोषक तत्व होते हैं। यह नेचुरली मीठी जड़ वाली सब्जी है। इसमें फाइबर और मैग्नीशियम पर्याप्ता मात्रा में पाए जाते हैं, जो मेटाबॉलिज्म को बूस्ट करने में मदद करते हैं।

3 .अदरक का सेवन करें

अदरक का सेवन सर्दी में बढ़ाये । अदरक मेटाबॉलिज्म बढ़ाने में काफी मददगार है। यह विटामिन-सी और एंटी ऑक्सीडेंट गुणों से भरपूर होता है। मेटाबॉलिज्म तेज करने के लिए आप अदरक की चाय पी सकते हैं या भोजन में अदरक शामिल कर खा सकते हैं।

4.डाइट में शलजम शामिल करें

वैसे तो सर्दी में हरी पत्तेदार सब्ज़ी सभी लोग खाना पसंद करते ही है लेकिन, सर्दियों के मौसम में शलजम का सेवन ज़रूर करे , इसमें विटामिन-सी, विटामिन-के, पौटैशियम और कई पोषक तत्व पाए जाते हैं। यह बॉडी को डिटॉक्स करने में मददगार है। ठंड के मौसम में इसके सेवन से मेटाबॉलिज्म बढ़ने में मदद मिलती है।

5.कॉफी पिएं

अगर आप कॉफी पीने के शौकीन हैं, तो खुश हो जाइए। स्टडी के मुताबिक इसमें मौजूद कैफीन मेटाबॉलिज्म को बढ़ाने में सहायक है।

धामी सरकार की चिकित्सा क्षेत्र में अनोखी पहल

ड्रोन के जरिए दून से उत्तरकाशी पहुंची वैक्सीन

सचिव स्वास्थ्य डॉ. आर. राजेश कुमार ने किया सफल परीक्षण

- ड्रोन टेक्नोलॉजी का सफल ट्रायल, जिला चिकित्सालय उत्तरकाशी पहुंची वैक्सीन
- जल्द ही कोविड टीकाकरण की मुहिम हेतु उपयोग में लाए जाएंगे ड्रोन

मो.सलीम सैफी
न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, 10 जनवरी! प्रदेश के सुदूर इलाकों में दवाईयों को पहुंचाने हेतु स्वास्थ्य विभाग द्वारा सूचना प्रौद्योगिकी के माध्यम से राज्य के दूरस्थ जनपदों में निवास कर रहे लाभार्थियों को कम से कम समय में वैक्सीन उपलब्ध कराने हेतु अनोखी पहल सफल साबित हुई। प्रदेश के भौगोलिक परिस्थितियों के मद्देनजर दवाओं, टीकों को समयबद्ध तरीके से पहुंचाने हेतु स्वास्थ्य विभाग उत्तराखंड ने ड्रोन टेक्नोलॉजी का सफल ट्रायल पूर्ण कर लिया है।

सचिव चिकित्सा स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग डॉ. आर. राजेश कुमार ने बताया कि स्वास्थ्य विभाग द्वारा ड्रोन टेक्नोलॉजी का उपयोग कर देहरादून से सीमांत जनपद उत्तरकाशी तक महज 40 मिनट में वैक्सीन की डोज को सफलतापूर्वक पहुंचाया गया। प्रतिरक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत ड्रोन द्वारा डिप्थीरिया टिटनेस (डी.पी.टी.) व पेंटा की 400 डोज मुख्य चिकित्साधिकारी कार्यालय उत्तरकाशी पहुंचाई गई है। अमूमन सड़क मार्ग से 5-6 घंटे का समय लगता है। डॉ. आर. राजेश कुमार ने यह भी अवगत कराया कि इस सफलतापूर्वक परीक्षण के बाद माननीय मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी जी व माननीय स्वास्थ्य मंत्री डॉ. धन सिंह रावत जी द्वारा आगामी दिनों में प्रदेश के सूदूर इलाकों में ड्रोन के माध्यम से कोविड वैक्सीन को पहुंचाए जाने हेतु कार्य का शुभारंभ किया जाएगा। उन्होंने बताया कि स्वास्थ्य विभाग तथा इनफोरमेशन टेक्नोलॉजी डेवलपमेंट एजेंसी (आई.टी.डी.ए.) के सहयोग से दवाईयों को पहुंचाया गया है। डॉ. आर. राजेश कुमार ने बताया कि प्रदेश में दवाईयों या वैक्सीन को पहुंचाने हेतु सड़क मार्ग का उपयोग किया जाता है, जिसमें काफी समय लगता है व कभी-कभी आपदा के कारण भी दवाई पहुंचाने में परेशानी होती है। स्वास्थ्य विभाग का प्रयास है कि दवाई वितरण में किसी भी प्रकार की देरी न हो और समयपर सभी चिकित्सा इकाइयों तथा ऐसे स्थानों, गावों में जहां सड़क मार्ग की सुविधा नही है वहां भी दवाईयां, वैक्सीन उपलब्ध हो। निकट भविष्य में दुर्घटनाग्रस्त, आपदा या अन्य किसी विकट स्थिति पर समयान्तर्गत प्राथमिक उपचार की दवाईयां तथा अन्य सामाग्री पहुंचाने में ड्रोन टेक्नोलॉजी की सुविधा मील का पत्थर साबित होगी। सचिव महोदय द्वारा बताया गया कि कोविड के दृष्टिगत भी ड्रोन टेक्नोलॉजी काफी कारगर साबित होगी। हम प्रदेश के सभी चिकित्सा इकाइयों में वैक्सीन की उपलब्धता बनाए रखेंगे ताकि पात्र लाभार्थियों का टीकाकरण सुलभ तरीके से पूर्ण हो।

बुजुर्गों का अकेलापन दूर कर रहीं 2 बहनें, लिख रही चिट्ठियां

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो न्यूज़ , 10 जनवरी , भारतीय मूल की दो अमेरिकी बहनें दुनियाभर के बुजुर्गों को चिट्ठी लिखकर उनका अकेलापन दूर कर रही हैं। कोरोना महामारी शुरू होने के बाद से वे 15 लाख चिट्ठियां लिख चुकी हैं। दरअसल, मैसाचुसेट्स की श्रेया पटेल और उनकी छोटी बहन सेफ्रॉन 2020 की शुरुआत में कोरोना के दौरान अपने दादा-दादी के साथ समय नहीं बिता पाईं। ऐसे में उन्हें खुश करने के लिए दोनों बहनों ने वीडियो कॉल करना शुरू कर दिया, लेकिन श्रेया को लगता था कि कहीं कुछ कमी रह गई है।

कैसे शुरू हुई अगेंस्ट आइसोलेशन संस्था : श्रेया बताती हैं कि हम दादा-दादी को हर दिन फोन और मैसेज करते थे, लेकिन फिर भी वे खुद को अकेला महसूस करते थे। श्रेया बताती हैं कि एक दिन मेरी दादी के एक दोस्त ने उन्हें चिट्ठी लिखी। यही वो चिट्ठी थी, जिसने लेटर अगेंस्ट आइसोलेशन संस्था की शुरुआत में अहम भूमिका निभाई। इस संस्था ने 7 देशों में 5 लाख से ज्यादा लोगों को चिट्ठी लिखने के लिए प्रेरित किया। बीते दो साल में उनकी संस्था 15 लाख चिट्ठियां भेज चुकी हैं। इस काम के लिए उन्हें 2022 का प्रतिष्ठित डायना अवॉर्ड भी दिया गया है।

हफ्तेभर में 200 बुजुर्गों को लिखी चिट्ठियां : श्रेया बताती हैं कि हमें लगा कि चिट्ठियों से हम अकेलेपन से जूझ रहे बुजुर्गों में सकारात्मकता ला सकते हैं। उन्होंने वृद्धाश्रम और केयर होम में रहने वाले बुजुर्ग लोगों को चिट्ठी, आर्टवर्क और पॉजिटिव मैसेज भेजना शुरू कर दिए। जल्द ही वे बुजुर्गों में लोकप्रिय हो गईं। श्रेया कहती हैं, 'हफ्तेभर में ही हम 200 से ज्यादा वरिष्ठ नागरिकों को चिट्ठियां लिख चुके थे। तब हमें मदद की जरूरत महसूस होने लगी थी। वहीं, जिन लोगों को ये चिट्ठियां मिलीं, उनकी जिंदगी और जीने के मायने बदल गए। इस दौरान हमें पता चला कि ये बुजुर्ग न सिर्फ चिट्ठियां संभालकर रखते हैं, बल्कि दूसरों को दिखाते भी हैं। वे अपने घरों में इन्हें सजाते हैं, इन्हें बार-बार देखते हैं और पढ़कर इनसे प्रेरणा लेते हैं। दोनों बहनों का अभियान सफल रहा। शुरुआती दो महीनों में ही अमेरिका के 11 राज्यों में इनकी चिट्ठियां उम्मीद जगाने लगी थीं। पत्रों की बढ़ती मांग को देखते हुए, अप्रैल-2020 में इन्होंने लेटर अंगेस्ट आइसोलेशन शुरू करने का फैसला लिया।

अब इस संस्था के दुनियाभर में 40 हजार से ज्यादा वालंटियर हैं। उन्हीं के जरिए अकेले रह रहे बुजुर्गों की जानकारी मिलती है। अमेरिका के अलावा ब्रिटेन, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया और इजरायल में 10 लाख से ज्यादा वहीं अन्य देशों में पांच लाख बुजुर्ग चिट्ठियां पाकर सकारात्मकता महसूस कर रहे हैं। श्रेया कहती हैं, 'भले ही वैक्सीनेशन ने बुजुर्गों को घुलने-मिलने और बातचीत की आजादी दी है। पर अकेलेपन का मुद्दा कायम है। यह ऐसी महामारी है, जो कोरोना से पहले भी हमारे बीच मौजूद थी और आगे भी बनी रहेगी। इस पहल के बाद श्रेया और सेफ्रॉन देश-दुनिया में चर्चित हो गई हैं। इन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति बाइडेन और उपराष्ट्रपति कमला हैरिस की उद्घाटन समिति के कार्यक्रम के लिए मेजबानी कर चुकी हैं। हार्वर्ड यूनिवर्सिटी ने भी इन्हें आमंत्रित कर चुकी है। यह संस्था तेजी से ऊंचाई पर जा रही है। हाल ही में इन्होंने एक स्टैम्प फंड लॉन्च किया है। ताकि वॉलेंटियर्स को पैसों की समस्या न झेलनी पड़े और वे बुजुर्गों को लगातार चिट्ठियां लिखते रहें।

संपादकीय

भारत पर भरोसा

वर्ष 2023 के साथ-साथ वैश्विक राजनीति और अर्थव्यवस्था से संबंधित 2022 और उसके पहले की समस्याएं भी आयी हैं. तमाम चुनौतियों के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था दुनिया में सबसे तेज गति से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था है. वर्तमान वित्त वर्ष में आर्थिक वृद्धि दर के सात प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया जा रहा है. अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के उप प्रबंध निदेशक अंतोनित सायह ने कहा है कि कोरोना महामारी के प्रभावों से बहुत हद तक बाहर निकल चुका भारत आज विश्व अर्थव्यवस्था के लिए चमकता बिंदु है. उन्होंने समकक्ष अर्थव्यवस्थाओं के औसत से भारत की अधिक वृद्धि दर को भी रेखांकित किया है. कुछ समय पहले विश्व बैंक ने भी ऐसी ही भावनाएं प्रदर्शित करते हुए चालू वित्त वर्ष में आर्थिक वृद्धि की दर के अपने पूर्ववर्ती आकलन में सुधार करते हुए उसे बढ़ा कर 6.9 प्रतिशत कर दिया है. अनुमानों में ऐसे संशोधन कभी-कभार ही होते हैं. मुद्रा कोष की वरिष्ठ अधिकारी ने सुझाव दिया है कि भारत को सेवा क्षेत्र के निर्यात में अपनी मजबूत स्थिति को विस्तार देना चाहिए तथा ऐसे उत्पादों के निर्यात को बढ़ाना चाहिए, जिनसे रोजगार के अधिक अवसर भी सृजित हों. कुछ वर्ष से भारत ने निर्यात बढ़ाने पर विशेष ध्यान दिया है. इस वित्त वर्ष में तीन तिमाहियों में ही 500 अरब डॉलर से अधिक मूल्य की वस्तुओं का निर्यात किया जा चुका है. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान के अनुरूप देश को हर तरह से आत्मनिर्भर बनाने का प्रयास किया जा रहा है. देश में निर्मित वस्तुओं को देश के बड़े बाजार के लिए तो बनाया ही जा रहा है, उन्हें गुणवत्ता की दृष्टि से भी बेहतर करने पर ध्यान दिया जा रहा है ताकि अंतरराष्ट्रीय बाजार में उनकी पैठ बन सके. इस संबंध में उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन योजना बड़ी पहल है. उत्पादन, वितरण और निर्यात को स्तरीय बनाने के क्रम में देश में पहली बार राष्ट्रीय लॉजिस्टिक नीति बनायी गयी है. भारत विदेशी निवेश का भी बड़ा गंतव्य बन गया है. अनेक सुधारों से आकर्षित होकर बहुराष्ट्रीय कंपनियां भारत में अपने संयंत्र लगा रही हैं तथा भारतीय उद्योगों से साझेदारी कर रही हैं. प्रधानमंत्री मोदी ने देश को वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में अहम हिस्सेदार बनाने का लक्ष्य भी निर्धारित किया है. सुधारों और उनके सकारात्मक परिणामों को विश्व भर के उद्योग भी देख रहे हैं तथा मुद्रा कोष और विश्व बैंक जैसे शीर्षस्थ वित्तीय संस्थान भी. दक्षिण एशिया क्षेत्र ने वैश्विक आर्थिक वृद्धि में 15 प्रतिशत का योगदान किया है, जिसमें बांग्लादेश के साथ भारत की अग्रणी भूमिका है.

जोशीमठ मुद्दे पर कांग्रेस विधायकों के डेलिगेशन ने गवर्नर को दिया ज्ञापन

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, 10 जनवरी। विधायक चकराता प्रीतम सिंह के नेतृत्व में वरिष्ठ कांग्रेसजनों के प्रतिनिधिमंडल ने महामहिम राज्यपाल से मुलाकात कर उन्हें जनपद चमोली के जोशीमठ भूधंसाव की आपदा में सरकार के अपर्याप्त राहत-बचाव कार्यों के सम्बंध में अवगत कराते हुए ज्ञापन के ज्ञापन के माध्यम से आपदाग्रस्त क्षेत्रों में आ रही समस्याओं के तत्काल समाधान हेतु सरकार को निर्देशित करने का अनुरोध किया।कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल में विधायक द्वाराहाट मदन सिंह बिष्ट, पूर्व विधायक गंगोत्री विजयपाल सजवाण, पूर्व विधायक राजपुर रोड राजकुमार, पूर्व महानगर अध्यक्ष लालचंद शर्मा, डोईवाला से प्रत्याशी रहे गौरव चौधरी, प्रदेश महामंत्री राजेन्द्र शाह व हरिकृष्ण भट्ट, परवादून अध्यक्ष अश्वनी बहुगुणा मौजूद रहे।

अवैध चरस के कारोबारी चमोली पुलिस की गिरफ्त में

■ ढाई किलो अवैध चरस के साथ दो अभियुक्त हुए गिरफ्तार

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

चमोली, 10 जनवरी , पुलिस चमोली प्रमेन्द्र डोबाल के द्वारा नशा मुक्त होगा चमोली हमारा अभियान के तहत अवैध नशे का क्रय-विक्रय करने वाले नशा तस्करों पर लगातार नकेल कसी जा रही है। युवाओं में बढ़ती नशे की प्रवृति को चिंता का विषय मानते हुये पुलिस अधीक्षक चमोली द्वारा जनपद में अधीनस्थ सभी क्षेत्राधिकारी/थाना प्रभारियों, एस.ओ.जी. को नशा कारोबारियों पर कठोर कार्यवाही किये जाने हेतु निर्देशित किया गया है। नशा मुक्त होगा चमोली हमारा अभियान को सफल बनाते हुये पुलिस उपाधीक्षक ऑपरेशन नताशा सिंह के पर्यवेक्षण में थाना गोपेश्वर व एसओजी चमोली द्वारा संयुक्त चैकिंग अभियान चलाते हुए दिनांक 9/01/2023 को संदिग्ध व्यक्ति/वाहनों की चैकिंग के दौरान मंदिर मार्ग पठियालधार रोड गोपेश्वर के निकट दो व्यक्ति संदिग्ध दिखाई दिए जिनसे पूछताछ एवं चैकिंग की गयी तो उनके कब्जे से 2 किलो 470 ग्राम अवैध चरस बरामद की गयी। जिसकी कीमत लगभग रू0 2,00000 (दो लाख रूपये) आंकी जा रही है।

प्रदेश में मिला नए वेरिएंट का पहला मरीज, देहरादून के युवक में हुई पुष्टि

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

नई दिल्ली/देहरादून, 10 जनवरी। अमेरिका में कोविड-19 मामलों में बढ़ोतरी के लिए जिम्मेदार एक्स बीबी 1.5 स्ट्रेन का एक नया मामला उत्तराखंड में पाया गया है। अमेरिका से लौटे देहरादून के एक युवक का दिल्ली एयरपोर्ट पर एहतियात के तौर पर सैंपल लिया गया है। जो जांच में कोरोना संक्रमित पाया गया था। युवक के सैंपल की देहरादून में जिनोम सीक्वेंसिंग की गई जिसमें एक्स बीबी 1.5 वेरिएंट की पुष्टि हुई है। युवक में कोरोना से संबंधित किसी तरह की कोई लक्षण भी नहीं दिखाई देते थे। राज्य कोविड कंट्रोल रूम के नोडल अधिकारी डॉ पंकज सिंह ने इसकी पुष्टि की है।

भारतीय सार्स कोच-2 जिनोनिकी संगठन (इसाकोग) के मुताबिक अब देश में वायरस के इस वेरिएंट से संबंधित मामलों की कुल संख्या आठ हो गई है। इसाकोग के अनुसार, पिछले 24 घंटों में स्ट्रेन का नया मामला उत्तराखंड में मिला है। इससे पहले गुजरात में तीन, कर्नाटक, तेलंगाना, छत्तीसगढ़ और राजस्थान में एक-एक मामले मिले थे। एक्सबीबी 1.5 स्ट्रेन, ओमिक्रॉन एक्सबीबी वेरिएंट का रिश्तेदार है, जोकि ऑमिक्रॉन चीए 2.10.1 और बीए 2.75 का मिलाजुला रूप है।

एक्सवीची और एक्सबाबी 1.5 का संयुक्त रूप अमेरिका में कोविड मामलों में 44 प्रतिशत वृद्धि के लिए जिम्मेदार है। वहीं, उत्तराखंड के स्वास्थ्य सचिव डा. आर राजेश कमार का कहना है कि प्रदेश में अभी तक नए वेरिएंट का कोई मामला सामने नहीं आया है। 30 दिसंबर से अब तक के मरीजों की जीनोम सीक्वसिंग चल रही है।

दैनिक
न्यूज वायरस

न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड, मेरठ के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक मौ. सलीम सैफी द्वारा विश्वनाथ प्रिंटर्स, अजबपुर कलां, देहरादून से मुद्रित एवं 48/3 बलबीर रोड, डालनवाला, देहरादून (उत्तराखंड) से प्रकाशित।

सम्पादक :
मौ. सलीम सैफी
कार्यकारी सम्पादक
आशीष तिवारी
दूरभाष : 0135-2672002

email-dainiknewsvirus@gmail.com
RNI No.- UTTHIN/2012/44094

वाद-विवाद का न्याय क्षेत्र देहरादून न्यायालय मान्य होगा

पूर्णानंद घाट गंगा आरती में देव डोली शोभा यात्रा का स्वागत

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ऋषिकेश 10 जनवरी , श्री इष्टदेव सेवा ट्रस्ट की ओर से आयोजित 21 दिवसीय मां धारी देवी व भगवान नागराज देव डोली शोभायात्रा का ऋषिकेश पूर्णानंद घाट जानकीपुल विश्व प्रसिद्ध महिलाओं द्वारा आयोजित गंगा आरती में पहुंचने पर श्रद्धालुओं ने स्वागत किया।गंगा आरती में महिलाओं ने व श्रद्धालुओं ने पूजा अर्चना कर जोशीमठ में आई आपदा में फंसे लोगो की कुशलता के लिए मंगल कामना सुख और समृद्धि की प्रार्थना की। श्री इष्टदेव सेवा ट्रस्ट संस्थापक आचार्य श्रित सुरेंद्र प्रसाद सुंदरियाल जी महाराज ने कहा कि देव डोली विभिन्न क्षेत्रों से होती हुई अपने गंतव्य स्थान तक पहुंचेगी।

■ मां धारी देवी एवं भगवान श्री नागराजा देव डोली की पूजा अर्चना कर जोशीमठ में सुख शांति एवं खुशहाली की कामना की

ऋषिकेश गंगा आरती ट्रस्ट के अध्यक्ष पंडित हरिओम शर्मा ज्ञानी जी ने कहा कि केंद्र सरकार व उत्तराखंड सरकार द्वारा जोशीमठ भू धंसाव क्षेत्र में संचालित राहत एवं बचाव कार्यों के प्रयासों की सराहना की, और उत्तराखंड सरकार से मांग की, कि जोशीमठ निवासियों की सुरक्षा एवं पुनर्वास के लिए तत्काल कदम उठाए जाएं।देवभूमि मॉ गंगा स्वयं सेवी चौरिटेबल ट्रस्ट अध्यक्ष रीना उनियाल कोषाध्यक्ष- योगेश उनियाल कर्मा इंटरनेशनल फाउंडेशन ट्रस्ट अध्यक्ष अतुल शाह मुख्य रूप से गंगा आरती में ट्रस्ट की सदस्य डॉक्टर ज्योति शर्मा, श्रीमती सुषमा बहुगुणा, एस्ट्रोलॉजर सोनिया, रीता, प्रमिला, गायत्री देवी, सरोज देवी, इण्टरनेट मीडिया दैनिक समाचार पत्र की संपादक नीता देवी , आचार्य मोहित बडोनी, आचार्य सुमित भट्ट, आचार्य मनीष बडोनी आदि ने डोली की पूजा अर्चना की।

कांग्रेस डेलिगेशन ने सीएम धामी को जोशीमठ मामले में दिया ज्ञापन

देहरादून , 10 जनवरी , मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से मुख्यमंत्री कैम्प कार्यालय में उत्तराखण्ड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष करन माहरा के नेतृत्व में कांग्रेस के विभिन्न नेताओं ने वार्ता की । इस दौरान सीनियर नेताओं ने मुख्यमंत्री को जोशीमठ में हुए भू-धंसाव से उत्पन्न स्थिति के बाद राहत एवं बचाव कार्यों से संबंधित ज्ञापन सौंपा।

आज से बदलेगा मौसम का मिजाज

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

जोशीमठ में भू-धंसाव को लेकर मचे हाहाकार के बीच मैदान से पहाड़ तक आज से मौसम का मिजाज बदलने वाला है। पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने से तीन दिनों तक पहाड़ से मैदान तक हल्की से मध्यम बारिश के आसार हैं।

तीन हजार मीटर से अधिक ऊंचाई वाले इलाकों में जबरदस्त बर्फबारी की संभावना है। वहीं, 24 घंटे के दौरान हरिद्वार और ऊधमसिंह नगर में शीतलहर के साथ ही घना कोहरा पड़ेगा। वहीं, मंगलवार को सुबह से प्रदेश में कई जगह बादल और कोहरा छाया है तो कहीं हल्की धूप खिली है।

मौसम विज्ञान केंद्र के निदेशक विक्रम सिंह ने बताया कि राज्य में पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय हो गया है। मंगलवार को मैदान से लेकर पहाड़ तक बादल छाए रहेंगे और जबरदस्त सर्दी पड़ने के आसार हैं। बुधवार और बृहस्पतिवार को चमोली, उत्तरकाशी, पिथौरागढ़ में हल्की से मध्यम बारिश की संभावना है।

जोशीमठ आपदा को राष्ट्रीय आपदा घोषित करे केंद्र सरकार : धस्माना

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

जोशीमठ , 10 जनवरी , देश की नज़र जोशीमठ के हालात पर जमी है , पीएमओ , राज्य सरकार और स्थानीय प्रभावित हर दिन हर पल आशंका में किसी राहत की उम्मीद लगाए हुए हैं। आज जोशीमठ के हालात पर तरह तरह की जाँच और रिपोर्ट्स की भी खूब बातें हो रही है। इसी बीच प्रदेश के बड़े कांग्रेसी नेता सूर्यकान्त धस्माना जोशीमठ के पीड़ितों से मिले और उन्होंने आपदा प्रभावित इलाकों का दौरा करने के बाद राज्य सरकार और प्रबंधन पर बड़े जुबानी हमले किये हैं। धस्माना ने केंद्र और राज्य सरकार से इस मामले में बड़ी मांग की है।

सनातन धर्म के महत्वपूर्ण चार धामों में से एक बद्रीनाथ धाम के मठ ज्योतिर्मठ के लिए दुनियाभर में मशहूर जोशीमठ शहर आज केंद्र व राज्य की सरकारों की उपेक्षा की वजह से बारूद के ढेर पर बैठा है यह बात आज उत्तराखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ उपाध्यक्ष सूर्यकान्त धस्माना ने जोशीमठ के आपदाग्रस्त मारवाड़ी,सिंघधार,मनोहर व सुनील वार्डों का दौरा करने के पश्चात तहसील परिसर में चल रहे जोशीमठ बचाओ समिति के धरने को संबोधित करते हुए कही।

उन्होंने कहा कि जोशीमठ केवल बद्रीनाथ धाम का ही द्वार नहीं है बल्कि यह भारत चीन सीमा तक पहुंचने का एक मात्र सड़क मार्ग है। इसलिए जोशीमठ की सामरिक महत्व की दृष्टि से महत्वपूर्ण जोशीमठ में आई आपदा को राष्ट्रीय आपदा घोषित किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि आपदा के मामले में सरकार की गंभीरता का अंदाज़ा इसी बात से लगाया जा सकता है कि राज्य सरकार के पास आज तक इस आपदा से निपटने का कोई प्लान ही नहीं है।

कांग्रेस लीडर सूर्यकांत धस्माना ने कहा कि सरकार रैणि आपदा के समय अगर जाग गयी होती तो शायद स्थिति इतनी खतरनाक नहीं होती। उन्होंने कहा कि कांग्रेस जोशीमठ संकट के समाधान के लिए पूरी तरह से सरकार का सहयोग करने के लिए तैयार है किंतु राज्य की भाजपा सरकार आपदा पर भी राजनीतिक दृष्टिकोण से काम कर रही है।